पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXIX अंक–18 30 सितम्बर, 2024

न मे विदुः सुरगणाः प्रभवं न महर्षयः। अहमादिर्हि देवानां महर्षीणां च सर्वशः।।

मेरी उत्पत्ति को अर्थात् लीला से प्रकट होने को न देवता लोग जानते हैं और न महर्षिजन ही जानते हैं; क्योंकि मैं सब प्रकार से देवताओं का और महर्षियों का भी आदि कारण हूँ। **श्रीमद्भगवद्गीता 10/2**

हिन्दी पखवाड़ा–2024 सम्पन्न

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर माननीय गृह मंत्री, शिक्षा मंत्री व संस्थान निदेशक के संदेशों का प्रचालन सभी संस्थान कर्मियों को किया गया तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा नीति की अनुपालना करने तथा कार्यालयीन कार्य में अधिकाधिक रूप से हिन्दी के प्रयोग करने संबंधी संकल्प लेने के लिए कहा गया। इस अवसर पर संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14–30 सितम्बर, 2024 के दौरान किया गया। हिन्दी पखवाड़े के शुभारम्भ में हिन्दी के राजभाषा बनने के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 14 एवं 15 सितम्बर, 2024 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित **''चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं हीरक जयंती समारोह''** के साथ एकीकृत रूप में हुआ। 17 सितम्बर, 2024 को संस्थान में **''समग्र और खुशहाल कार्यस्थल के लिए कौशल विकास, सृजनता और नवाचार''** विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता **प्रो. टी. आर. श्रीकृष्णन, उप निदेशक (प्रचालन)** द्वारा की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में **प्रो. (सुश्री) ज्योति राणा (कुलसचिव, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, हरियाणा तथा सुविख्यात कॉर्पोरेट प्रशिक्षक और लेखिका)** तथा **प्रो. संजय धीर (प्रबंध**



अध्ययन विभाग, आई.आई.टी.दिल्ली) को आमंत्रित किया गया था। **डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष)** ने कार्यशाला की शुरूआत में हिन्दी दिवस की बधाई दी तथा कार्यशाला की रूपरेखा व पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। इसके उपरान्त **श्री अतुल व्यास, कुलसचिव** ने हिन्दी में कार्यालयीन कार्य करने पर बल देते हुए कार्यस्थल में खुशहाली के साथ टीम वर्क को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया। **प्रो. टी. आर. श्रीकृष्णन, उप निदेशक (प्रचालन)** ने सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्व स्तर पर हिन्दी को उसका दर्जा प्राप्त हो इसके लिए केवल 14 सितम्बर को ही नहीं अपितु सभी दिन हिन्दी के हों।

आपने सृजनता और नवाचार, टीम बिल्डिंग, अन्तर व्यैक्तिक संबंधों को जीवन में महत्वपूर्ण बताया।

प्रो. (सुश्री) ज्योति राणा ने हिन्दी को भावों की भाषा बताते हुए तीन 'P' (People, Passion and Possibilities) पर बल दिया। आपके अनुसार टीम बिल्डिंग में अविश्वास का कोई स्थान या संभावना नही हैं। जब भी आप नेतृत्व कर रहे हो तो टीम के छोटे से छोटे सदस्य के पक्षों को समझकर उनका अनुसरण करना होगा। आपके व्याख्यान ने प्रतिभागियों को उत्साह से भर दिया। इसके उपरान्त **प्रो. संजय धीर (प्रबंध अध्ययन विभाग, आई.आई.टी.दिल्ली)** ने कार्यालयीन कार्यों में तथा जीवन में सृजनता और नवाचार के पहलू पर प्रकाश डाला। हमें जीवन में छोटे–छोटे परिवर्तन करते रहने चाहिए। लगभग 70 प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ कार्यशाला में भाग लिया तथा महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। कार्यशाला के अंत में डॉ. चौरसिया ने आमंत्रित वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान 18 सितम्बर, 2024 को संस्थान में ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए **'सुशासन के लिए टैक्नोलॉजी एवं नवाचार का प्रयोग'**, ग्रुप 'बी' सदस्यों के लिए **'कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास : मानवता के लिए अवसर एवं चुनौतियॉ'** तथा ग्रुप 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'डिजिटल युग में गोपनीयता और सुरक्षा'** विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 35 सदस्यों ने भाग लिया। ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में **श्री कुमार सौरभ** (सहायक कुलसचिव, भण्डार एवं क्रय अनुभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **डॉ. मोहित कुमार गर्ग** (सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **श्री शिव प्रकाश यादव** (जन सम्पर्क अधिकारी) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

ग्रुप 'बी' स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में **श्री गजराज सिंह** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **सुश्री हेमा कुमारी** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, स्थापना अनुभाग–2) एवं **श्री दिनेश कुमार** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, भर्ती प्रकोष्ठ) ने संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार; **सुश्री शुभ्रा गुप्ता** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रसायन विज्ञान विभाग) एवं **श्री जितेन्द्र प्रसाद** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

ग्रुप 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में **सुश्री पूनम** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रसायन विज्ञान विभाग) एवं **श्री विकाश मिश्रा** (प्रशासनिक सहायक, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार; **श्री आयुष श्रीवास्तव** (तकनीकी सहायक, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) एवं **श्री अशोक कुमार** (तकनीकी सहायक, विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार; **श्री आशुतोष कुमार** (तकनीकी सहायक, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) एवं **श्री संदीप राठौड़** (तकनीकी सहायक, सेन्स) ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

20 सितम्बर, 2024 को संस्थान में ग्रुप 'ए', 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'सामान्य हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 40 अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। ग्रुप 'ए' अधिकारियों की श्रेणी में **श्री कुमार सौरभ** (सहायक कुलसचिव, भण्डार एवं क्रय अनुभाग) ने प्रथम पुरस्कार एवं **श्री दीपक राजा** (सहायक कुलसचिव, विधि प्रकोष्ठ) ने द्वितीय पुरस्कार तथा **डॉ. रजनीश जरयाल** (सहायक कुलसचिव, छात्र कार्य अनुभाग) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। ग्रुप 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों की श्रेणी में **श्री मनोज बिष्ट** (प्रशासनिक सहायक, शैक्षिक अनुभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री अरविन्द कुमार चौहान** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) ने द्वितीय पुरस्कार; **श्री विवेक विकाश सत्पथी** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग) एवं **श्री अश्विनी आनन्द** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, गणित विभाग) ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

24 सितम्बर, 2024 को संस्थान में ग्रुप 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 26 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। **श्री प्रवीण दशरथ पौणिकर** (लेखा एवं लेखापरीक्षा अधिकारी, आंतरिक लेखा परीक्षा अनुभाग) एवं **श्री योगेश कुमार त्रिपाठी** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, स्थापना अनुभाग–2) ने संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार; **श्री ललित कपूर** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, नीति एवं योजना कार्यालय) एवं **श्री अरविन्द कुमार चौहान** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार; **सुश्री अनु सोनी** (प्रशासनिक सहायक, शैक्षिक अनुभाग) एवं **श्री विकाश मिश्रा** (प्रशासनिक सहायक, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

25 सितम्बर, 2024 को संस्थान में ग्रुप 'बी' तथा 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए **'राजभाषा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 30 सदस्यों ने भाग लिया। **सुश्री गुंजन मिश्रा** (वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक, केन्द्रीय पुस्तकालय) एवं **श्री हरिओम कुमार** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सिविल इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार; **सुश्री हेमा कुमारी** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, स्थापना अनुभाग–2) एवं **श्री विवेक विकाश सत्पथी** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार; **सुश्री शर्मिष्ठा** (प्रशासनिक सहायक, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) एवं

सुश्री मेघा लखमेरा (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, शैक्षिक अनुभाग) ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

30 सितम्बर, 2024 को संस्थान में अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थीगण के लिए **'स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इसमें 04 ग्रुप 'ए' अधिकारियों, 12 स्टाफ सदस्यों, 02 अनुबंधित स्टाफ एवं 08 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में ग्रुप 'ए' अधिकारियों में **सुश्री स्नेहा जालान** (सहायक कुलसचिव, निर्माण लेखा अनुभाग) ने प्रथम पुरस्कार; **श्री शिव प्रकाश यादव** (जन सम्पर्क अधिकारी) ने द्वितीय पुरस्कार एवं **श्री पवन शर्मा** (अधीक्षण इंजीनियर) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। स्टाफ सदस्यों की श्रेणी में **श्री भाग्य वर्धन** (तकनीकी सहायक, केन्द्रीय कार्यशाला) ने प्रथम पुरस्कार; **सुश्री अनु सोनी** (प्रशासनिक सहायक, शैक्षिक अनुभाग) ने द्वितीय पुरस्कार; **श्री कपिल कुमार** (सहायक प्रशासनिक अधिकारी, रिसेप्शन डेस्क) एवं **मो. आले इमरान** (कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यार्थीगण में प्रथम पुरस्कार **सुश्री प्रज्ञा गंभीर** (रसायन विज्ञान विभाग); द्वितीय पुरस्कार **सुश्री अनुर्वी मेहरा** (प्रबंध अध्ययन विभाग) एवं तृतीय पुरस्कार **श्री आशुतोष शर्मा** (गणित विभाग) ने प्राप्त किया।

30 सिंतबर, 2024 को संस्थान के सीनेट रूम में **हिन्दी समारोह** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 110 संकाय सदस्यों, अधिकारीगण, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भागीदारी की। इस समारोह की अध्यक्षता संस्थान निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से की गई। इस अवसर पर डॉ. नीरज चौरसिया**,** अध्यक्ष, हिंदी कक्ष ने गणमान्य अधिकारियों, स्वरचित कविता के निर्णायक मंडल के सदस्यों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों का स्वागत किया। डॉ. नीरज चौरसिया ने वर्ष के दौरान हिंदी कक्ष द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा माननीय गृह मंत्री और शिक्षा मंत्री के संदेशों का पाठन किया और साथ ही हिंदी कक्ष के द्वारा प्रकाशित संपर्क और जिज्ञासा (हिंदी विज्ञान जर्नल) अंक के 01 से 37 तक के सभी अंकों का प्रदर्शन किया। इस दौरान हिंदी कक्ष के द्वारा प्रकाशित वार्षिक जर्नल 'जिज्ञासा' के 38वें अंक का विमोचन निदेशक महोदय, उप निदेशक (प्रचालन) तथा संपादन मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। कुलसचिव महोदय श्री अतुल व्यास द्वारा सीनेट कक्ष में उपस्थित प्रतिभागियों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई गई।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी कक्ष अपना कार्य बहुत बेहतर तरीके से कर रहा है। सम्पर्क (पाक्षिक समाचार बुलेटिन) व जिज्ञासा का प्रकाशन सराहनीय है। समय–समय पर मंत्रालय के निर्देशों की अनुपालना करते हुए हिंदी कक्ष द्वारा हिंदी का प्रचार–प्रसार का कार्य बेहतर तरीके से किया जा रहा है। सभी प्रतिभागियों व विजेताओं को शुभकामनायें देते हुए आपने हिन्दी समारोह के दौरान प्रस्तुत कविताओं को प्रसन्नता के साथ सुना। आपने राजभाषा हिंदी को अपने कार्यालीन कार्यों में अधिक से अधिक प्रयोग में लाने की अपील की। निदेशक महोदय प्रो. बनर्जी ने कहा कि संस्थान में हिंदी के विकास की संभावनाओं का पता लगाकर उन्हें बढ़ाने का कार्य करना चाहिए।

डॉ. नीरज चौरसिया, अध्यक्ष हिन्दी कक्ष ने निदेशक महोदय के दिए गए सुझावों के लिए धन्यवाद देते हुये कहा कि हिन्दी कक्ष निश्चित रूप से आपके द्वारा दिये गए सुझावों को अमल में लाने का पूर्ण प्रयास करेगा। आपने हिंदी समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए संस्थान निदेशक, उप निदेशक (प्रचालन), कुलसचिव, निर्णायक मंडल के सदस्यों, उपस्थित संकाय सदस्यों, सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व हिंदी कक्ष के सभी स्टाफ सदस्यों का बहुत बहुत धन्यवाद व बधाई दी।